(201HN21)

ASSIGNMENT – 1

M.A. DEGREE EXAMINATION, SEP 2024.

Second Semester

Hindi

HISTORY OF HINDI LITERATURE

हिन्दी साहित्य का इतिहास

MAXIMUM: 30 MARKS

ANSWER ALL QUESTIONS

1. (a) हिन्दी साहित्य के इतिहास के विकास में आधुनिक काल की परिस्थितियों ने किस तरह से सहायतादी स्पष्ट कीजिए।

   (b) भारतीय नवजागरण की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2. (a) हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास के विभिन्न चरणों को स्पष्ट कीजिए।

   (b) जागरण सुधारकार की साहित्यचेतना पर प्रकाश डालिए।

(201HN21)

ASSIGNMENT – 2

M.A. DEGREE EXAMINATION, SEP 2024.

Second Semester

Hindi

HISTORY OF HINDI LITERATURE

हिन्दी साहित्य का इतिहास

MAXIMUM: 30 MARKS

ANSWER ALL QUESTIONS

1 (a) छायावादी कविता की मूल संवेदना की समीक्षा कीजिए।

(b) हिन्दी के नाटकों के विकास का परिचय देते हुए प्रमुख नाटककारों का उल्लेख कीजिए।

2. (a) हिन्दी निबंध विधा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(b) हिन्दी एकांकी के विकास के विभिन्न चरणों का परिचय दीजिए।

3. (a) किन्हीं टिप्पणी लिखिए।

(i) प्रगतिवाद

(ii) प्रयोगवाद

(iii) नयी कविता और समकालीन कविता

(iv) आधुनिकता बोध और साहित्यिक प्रवृतियाँ

(b) किन्हीं टिप्पणी लिखिए।

(i) हिन्दी कहानी विधा

(ii) राहुल सांस्कृत्यायन का यागावृत्तांत

(iii) बालकृष्ण भट्ट

(iv) चंद्रधर शर्मा गुरेरी

(202HN21)

ASSIGNMENT – 1

M.A. DEGREE EXAMINATION, SEP 2024.

Second Semester

Hindi

THEORY OF LITERATURE (WESTERN)

MAXIMUM: 30 MARKS

ANSWER ALL QUESTIONS

1. (a) काव्य में उदात्त तत्व की सैद्धांतिक विवेचन कीजिए।

   (b) प्लेटो के काव्य सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए।

2. (a) अरस्तू के त्रासदी – विवेचन पर प्रकाश डालिए।

   (b) आई.ए. रिचर्ड्स के संवेगों के संतुलन पर प्रकाश डालते हुए उनकी व्यावहारिक आलोचना के स्वरूप का परिचय दीजिए।

ASSIGNMENT – 2

M.A. DEGREE EXAMINATION, SEP 2024.

Second Semester

Hindi

THEORY OF LITERATURE (WESTERN)
MAXIMUM: 30 MARKS
ANSWER ALL QUESTIONS

1 (a) लोजाइनस के उदात्त की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

(b) टी.एस. इलियट के निवैयक्तिकतावाद का मूल्यांकन कीजिए।

2 (a) काव्य में उदात्त तत्व की सैद्धांतिक विवेचन कीजिए।

(b) मार्क्स की वर्ग संघर्ष के स्पष्ट कीजिए।

3. (a) किन्हीं टिप्पणी लिखिए।

(i) प्लेटो – काव्य पर आरोप

(ii) अरस्त – त्रासदी और तत्व

(iii) लोजाइनस – उदात्त की अवधारणा

(iv) एफ.आर. लेविस - मूल-विवेचन

(b) किन्हीं टिप्पणियों लिखिए।

(i) रेखाचित्र के लक्षण

(ii) नाटक के तत्व

(iii) संस्मरण के लक्षण

(iv) गीतिकाव्य का स्वरू

(203HN21)

ASSIGNMENT – 1

M.A. DEGREE EXAMINATION, SEP 2024.

Second Semester

Hindi

MODERN POETRY

MAXIMUM: 30 MARKS

ANSWER ALL QUESTIONS

1. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

(a) (i) डरो मत, अरे अमृत संतान
अग्रसर है मंगलमल वृद्धि
पूर्ण आकर्षण जीवन केंद्र
सिची आवेगी सकल समृद्धि।

(ii) कर विदूर्ति लोचन लालसा
स्वर प्रसूत सुधा श्रुति को पिला
गुण-मयी रसनेन्द्रिय को बना
गृह गये अब दर्शक-वृंद भी

(b) (i) है अमानिशा, उगलता गगन घन अन्धकार
खो रहा दिशा का ज्ञान, स्तब्ध है पवन-चार
अप्रतिहत गरव रहा पीछे, अम्बुधि विशाल,
भूधर ज्यों ध्यानमम्न, केवल जलती मशाल।

(ii) देत-यजन के पशु यज्ञों की
वह पूर्णाहुति की ज्वाला
जलनिधि में बन जलती कैसी
आज लहरियों की माला।

(c) (i) हाय: मृत्यु का ऐसा अमर,
अपार्थिव पूजन
जब विषण्ण, निर्जीव पड़ा हो
जग का जीवन!
संग-सौध में हो
शृंगार मरण का शोभव।

(ii) चाँदनी रात का प्रथम प्रहर,
हम चले नाव लेखर सत्वर।
सिकता की सस्मित-सीपी पर,
मोती की ज्योत्स्ना रही विचर,
ली, पालें चढ़ीं उठा लंगर।

(d) (i) जलते नभ में देख असंख्यक
स्नेह-हीन नित कितने दीपक
जलमय सागर का उर जलता :
विद्युत ले घिरता है बादल !
विहँस-विहँस मेरे दीपक जल!

(ii) हारूँ तो खोऊँ अपनापन
पाऊँ प्रियतम में निर्वासन
जीत बनूँ तेरा ही बंधन
भर लाऊँ सीपी में सागर
प्रिय मेरी अब हार विपय क्या?

2. (a) आधुनिक महाकाव्य के रूप में 'कामायनी' की समीक्षा कीजिए।

(b) निराला कृत 'राम की शक्ति पूजा' के काव्य-सौष्ठव की समीक्षा कीजिए।

(203HN21)

ASSIGNMENT – 2

M.A. DEGREE EXAMINATION, SEP 2024.

Second Semester

Hindi

MODERN POETRY

MAXIMUM: 30 MARKS

ANSWER ALL QUESTIONS

1. (a) महादेवी वर्मा की कविताओं के कला पक्ष का परिचय दीजिए।

   (b) प्रियप्रवास की तात्विक विवेचन कीजिए।

2. (a) सुमित्रानंदन पंत के प्रकृति–चित्रण की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

   (b) महादेवी वर्मा को आधुनिक युग की मीरा कहते हैं। समझाइए।

3. (a) किन्हीं टिप्पणी लिखिए।

   (i) आधुनिक कविता का विकास

   (ii) भारतेन्दु युग

   (iii) द्विवेदी युग

   (iv) छायावादी प्रतिनिधि कवि

   (b) किन्हीं टिप्पणी लिखिए।

   (i) जयशंकर प्रसाद – कामायनी

   (ii) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – राम की शक्ति पूजा

   (iii) सुमित्रानंदन पंत – भारतमाता

   (iv) महादेवी वर्मा – धीरे–धीरे उत्तर क्षितिज से

———————

(204HN21)

ASSIGNMENT – 1

M.A. DEGREE EXAMINATION, SEP 2024.

Second Semester

Hindi

LINGUISTICS

MAXIMUM: 30 MARKS

ANSWER ALL QUESTIONS

1. (a) भाषा के विविध रूपों पर प्रकाश डालिए।

   (b) प्राचीन भारतीय भाषा विज्ञान के कार्यों पर प्रकाश डालिए।

2. (a) ध्वनि परिवर्तन के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

   (b) भाषा विकास के मूल कारणों को सविस्तार लिखिए।

(204HN21)

ASSIGNMENT – 2

M.A. DEGREE EXAMINATION, SEP 2024.

Second Semester

Hindi

LINGUISTICS

MAXIMUM: 30 MARKS

ANSWER ALL QUESTIONS

1. (a) भाषा विज्ञान की परिभाषा देते हुए उसके अध्ययन की दिशाओं का परिचय दीजिए।

   (b) अर्थ विज्ञान की परिभाषा देते हुए अर्थ परिवर्तन को सोदाहरण समझाइए।

2. (a) वाक्य की परिभाषा देते हुए वाक्यों के विविध प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

   (b) रूप विज्ञान क्या है? रूप परिवर्तन के कारणों की सोदाहरण समझाइए।

3. (a) किन्हीं टिप्पणी लिखिए।

   (i) वाक्यों के प्रकार

   (ii) रूप परिवर्तन के कारण और दिशाएँ

   (iii) अर्थ परिवर्तन के कारण

   (iv) पाणिनी का परिचय

   (b) किन्हीं टिप्पणी लिखिए।

   (i) ध्वनि गुण

   (ii) बर्नर नियम

   (iii) भाषा विज्ञान है या कला?

   (iv) पतंजलि

(205HN21)

ASSIGNMENT – 1

M.A. DEGREE EXAMINATION, SEP 2024.

Second Semester

Hindi

SPECIAL STUDY OF AN AUTHOR — DINAKAR

MAXIMUM: 30 MARKS

ANSWER ALL QUESTIONS

1. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

(a) (i) जय मानव की धारा साक्षिणी

जाय विशाल अम्बर की जय हो।

जय गिरिराज ! विन्ध्यगिरी,

जय-जय ! हिंदमहासागर की जय हो

(ii) जलन हूँ, दर्द हूँ, दिल की कसक हूँ

किसी का हाय, खोया प्यार हूँ मैं।

गिरा हूँ भूमि पर नन्दन-विपिन से,

अमर-तरु का सुक्त सुकुमार हूँ मैं।

(b) (i) और कभी ये थी सोया है, जिस सुगंध से छक्कर

विकल वायु बह रही मत्त होकर त्रिकाल-त्रिभुवन की,

उस दिगंत-व्यापिनी गंध की अव्यय, अमर शिखा को

मर्त्य प्राण की किसी निकुंज-वीथी में बाँध धरेगा?

(ii) रक्त की उत्तम लहरों की परिधि के पार

कोई सत्य हो तो, चाहता हूँ, भेद उसका जाना लूँ।

पथ हो सौन्दर्य की आराधना का व्योम में यदि

शून्य की उस रेखा को पहचान लूँ।

(c) (i) रण रोकना हैम तो उखाड़ विषदत्त फेंकों

वृक-व्याघ्र-भीति से महि को मुक्तकर दो।

अथवा अजा के छागलों को भी बनाओ व्याघ्रे
दांतों में कराल काल कूट-विष भर दो।

(ii) सत्य ही तो, जा चुके सब लोग हैं
दूर ईर्ष्या-द्वेष, हाहाकार से।
मर गये जो, वे नहीं सुनते इसे ;
हर्ष क स्वर जीवितों का व्यंग्य है।

(d) (i) वचन माँग कर नहीं मांगना दान बड़ा
कौन वस्तु है, जिसे न दे सकता राधा का शुत है?
विप्रदेव ! मँगाइयै छोड संकेत वस्तु मनचाही
मरु अयश कि मृत्यु, करूँ यदि एक बार भी 'नहीं'।

(ii) मैं ही था अपवाद, आज वह भी विभेद हरता हूँ,
कवच छोड़ अपना शरीर सबके समान करता हूँ,
अच्छा किया कि आप मुझे समतल पर लाने आये,
हर तनुत्र दैवीय ; मनुज सामान्य बनाने आये

2. (a) रामधारी सिंह 'दिनकर' के जीवन परिचय और साहित्य में उनका स्थान पर प्रकाश डालिए।

(b) दिनकर की काव्यगत विशेषताओं पर समीक्षा कीजिए।

(205HN21)

ASSIGNMENT – 2

M.A. DEGREE EXAMINATION, SEP 2024.

Second Semester

Hindi

SPECIAL STUDY OF AN AUTHOR — DINAKAR

MAXIMUM: 30 MARKS

ANSWER ALL QUESTIONS

1. (a) दिनकर की राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए।

   (b) उर्वशी काव्य के तृतीय सर्ग का सार संक्षेप में लिखिए।

2. (a) कुरुक्षेत्र के भाव और कला पक्ष की विवेचना कीजिए।

   (b) रश्मीरथी में पात्र परिकल्पना और वैशिष्ट्यता के बारे में समझाइए।

3. (a) किन्हीं टिप्पणी लिखिए।

   (i) आधुनिक हिन्दी कविता का परिवेश

   (ii) दिनकर विद्रोही चेतना

   (iii) कुरुक्षेत्र के कला पक्ष

   (iv) पुरुरवा – पात्र चित्रण

   (b) किन्हीं टिप्पणी लिखिए।

   (i) दिनकर की साहित्यिक परिचय

   (ii) उर्वशी काव्यगत भाषा-शैली

   (iii) हुँकार की कला पक्ष

   (iv) रश्मीरथी – शीर्षक की सार्थकता